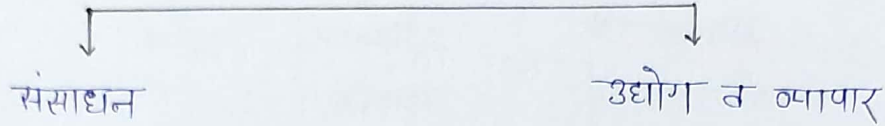


विश्व आर्थिक भूगोल

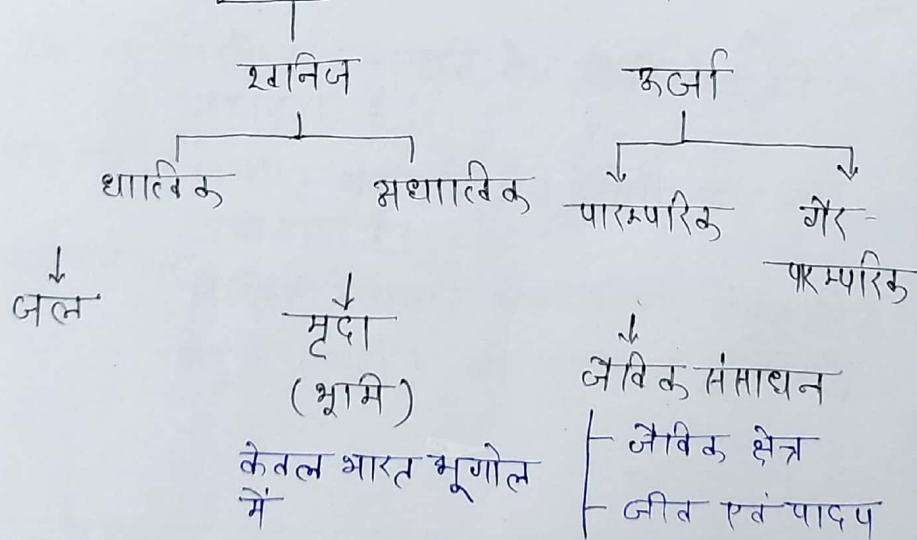


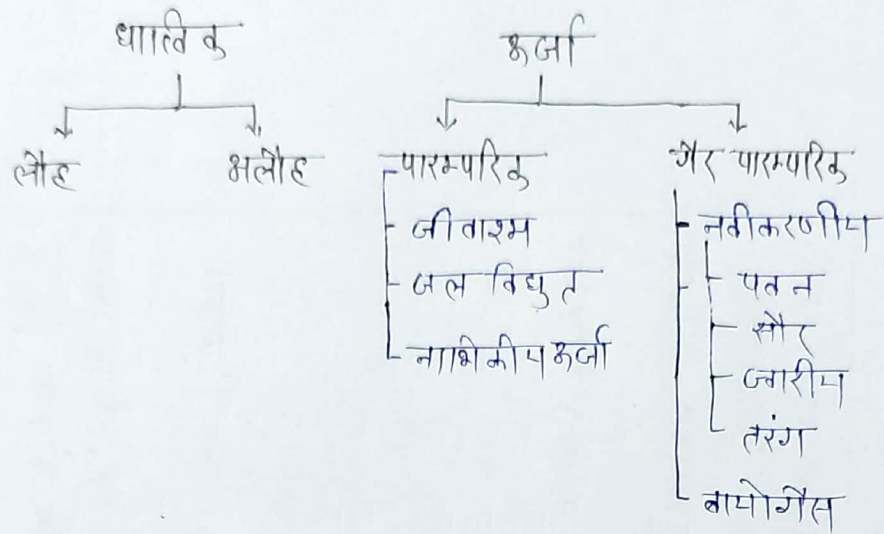
प्र०- भारत में बढ़ती आबादी के सन्दर्भ में भविष्य के जल संसाधनों के प्रबंधन हेतु एक योजना बनाए।

प्र०- भारत के वनीय संसाधन केवल कच्चे माल की भावर्ति ही नहीं करते अपितु उनकी सर्कमहम पारिस्थिकीय भूमिका भी है। चर्चा कीजिए।

प्र०- भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सतत बनाए रखने हेतु भारत को अपने जीवाश्म ईंधन संसाधनों के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों को प्राथमिकता देनी होगी। समर्थन कीजिए।

विश्व के प्रमुख संसाधनों का वितरण





जैविक संसाधन

Biome — Biotic Region — जैविक क्षेत्र

किसी भी भौगोलिक क्षेत्र की विशिष्ट पादप व जीव संरचना उसके बायोम को निर्मित करती हैं।

स्थलीय बायोम तीन प्रकार के होते हैं:-

- वन → विशिष्ट वनस्पति क्षेत्र जिसमें पेड़ की प्रधानता है।
- घास क्षेत्र → विशिष्ट वनस्पति क्षेत्र जिसमें घास की प्रधानता है।
- मरुस्थल → विशिष्ट वनस्पति क्षेत्र जिसमें अनुकूलित पादप (भाड़ी) की प्रधानता होती है।

S. N	बायोम [वनस्पति-स्थिरन] उत्पादक नियंत्रक	सूचितप [ताप]	आर्द्रता	पादप व जीव
1.	वेड (मिश्र वन, सदाबहार, अर्ध- सदाबहार (समनवन) बाली - खेताव, कान्गो	उष्ण (0-36°) आर्द्रता (72-80%)	आर्द्रता (72-80%)	Hardwood Eucalyptus पेवोनी, मशीगनी, रोजबुड लीव-कीट, सॉप पक्षी, गिरिन, बंदर टीक, सात नीम, पीपल कामुन लीव-आबू, शेर बीटा, हिरन, गिरिन
2.	पर्णपाती (मानसनी) मृदुले वन	(21-26°)	आर्द्रता (72-80%)	
3	शंकुधारी वन (हैनग) सवाना वाना, 40-80% जलोप-वृक्ष घास के मैदान (शुष्क वाना) गर्कलेड	(21-26°)	आर्द्रता (72-80%)	

हिमानी			80
टुण्ड्रा			70
रेगा			60°C
ब्रिटिश प्रकार	रेगा प्रकार	लारेन्सिया प्रकार	15°C
भूमध्य सागरीय प्रकार	शोतोष्ण	चीन प्रकार	
मरुस्थल	सवाना	मानसूनी पर्णपाती	30°
ताप ↑	वर्षावन	मार्द्रता ↑	40°

0-10° 2250 cm/वर्ष